

## झारखंड गौरव सम्मान

### चर्चा में क्यों?

26 अगस्त, 2023 को झारखंड के सबसे प्रतिष्ठित, विश्वसनीय व लोकप्रिय समाचार-पत्र 'प्रभात खबर'ने प्रदेश का मान बढ़ाने वाले 26 लोगों को 'झारखंड गौरव सम्मान' से नवाजा।

### प्रमुख बटु

- राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने इन्हें सम्मानित किया।
- 'झारखंड गौरव सम्मान' से सम्मानित व्यक्ति-
  - **पर्यावरणवादि जगदीश महतो** - 'टरी मैन' के उपनाम से प्रसिद्ध बोकारो ज़िले के कसमार प्रखंड स्थित हसीम नवासी वन आंदोलनकारी जगदीश महतो ने तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी झारखंड के लगभग साढ़े चार सौ वनों का संरक्षण और संवर्धन किया है।
  - **लेखक-कवि नीलोत्पल मृगाल** - दुमका के नोनीहाट के रहने वाले नीलोत्पल को वर्ष 2016 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लेखक, कवि, गायक, सामाजिक कार्यकर्ता और सोशल एक्टिविस्ट हैं। उनकी कतिबों में 'डार्क हॉर्स', 'औघड़ और यार जादूगर बेस्ट सेलर में शुमार रहीं हैं।
  - **नरिंजन प्रसाद सहि (बाबू)** - राजनीति में सुचिता की मसाल रहे नरिंजन बाबू 1967 में पहली बार जनसंघ पार्टी से चांपारण विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। उस वक्त उनकी उम्र 29 वर्ष थी। 1972 में दूसरी बार कॉन्ग्रेस पार्टी से बरही विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने, फिर 1980 और 1985 में विधायक बने।
  - **इम्तियाज हुसैन** - इम्तियाज अहमद धनबाद ही नहीं, बल्कि झारखंड में क्रिकेट के बड़े कोच हैं। वे 12 वर्षों तक झारखंड क्रिकेट टीम के मैनेजर रहे। टसिको से वीआरएस लेकर उन्होंने वर्ष 1999 से बच्चों को कोचिंग देना शुरू किया। उनके शिष्यों में अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेटर शाहबाज नदीम, रणजी खिलाड़ी सीएम झा, सत्य प्रकाश, आमरि हाशमी, राहुल प्रसाद व कुंजन शरण शामिल हैं।
  - **गुरु सुशांत महापात्र** - गुरु सुशांत महापात्र सरायकेला छऊ के मुखौटा कलाकार हैं। उनकी पहचान देश-विदेश में अच्छे छऊ मुखौटा कलाकार के रूप में है। वर्ष 1925 में सुशांत महापात्र के बड़े पतिाजी प्रसन्न कुमार महापात्र ने सरायकेला शैली छऊ के लिये पहला आधुनिक मुखौटा तैयार किया था। सुशांत महापात्र ने आठ वर्ष की उम्र में ही अपने बड़े पतिाजी (गुरु प्रसन्न महापात्र) से मुखौटा बनाने का गुरु सीखा। इसके बाद इस मुखौटा का प्रचलन बढ़ने लगा और अब यही मुखौटा सरायकेला शैली छऊ नृत्य की पहचान बन गयी है।
  - मोहम्मद खालिद - पछिले 20 वर्षों से सभी धर्म के अज्ञात लावारिस शवों का अंतिम संस्कार अलग-अलग धार्मिक रीति-रिवाज से करते हैं। कोरोना के समय राँची और हज़ारीबाग में शवों का अंतिम संस्कार बड़े पैमाने पर किया। राँची के रमिस मुरदाघर में पड़े लावारिस शवों का वर्ष 2010 से 2016 के बीच अंतिम संस्कार किया। पालतू कुत्तों की मौत के बाद उन्हें दफनाने का काम कर रहे हैं, पछिले 5 वर्षों से शहर में घूमने वाले असहाय एवं विक्रिपित लोगों के बीच रोटी बाँट रहे हैं। मोटरसाइकिल में दो डबबा में खाना रखते हैं और बाँटते चलते हैं।
  - **असुंता टोपपो** - गुमला ज़िले के चैनपुर प्रखंड की असुंता टोपपो निःशुक्र हैं। आर्थिक तंगी के बीच 1000 रुपए वकिलांग पेंशन एवं बड़ी बहन की मदद से असुंता ने पीजी तक की पढ़ाई की। असुंता ने आर्थिक तंगी में भी पैरा थरो बॉल प्रतियोगिता में भारत के लिये स्वर्ण पदक जीता। अभी हाल ही में मलेशिया में भी देश के लिये गोल्ड मेडल जीता है।
  - **कौशल कशोर जायसवाल** - पलामू के डाली गाँव के रहने वाले कौशल कशोर जायसवाल पछिले 56 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के तहत वह निःशुल्क पौधा वितरित करते हैं। अब तक वह 50 लाख से अधिक पौधे बाँट चुके हैं। जायसवाल नजी खर्च पर विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण अपने गाँव में करा रहे हैं। देश-विदेश में अब तक 50 से अधिक अवॉर्ड से सम्मानित हुए हैं।
  - **आदित्य रंजन** - भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2014 बैच के अधिकारी आदित्य रंजन मूलरूप से बोकारो के हैं। कोडरमा में उपायुक्त के रूप में पदस्थापन के दौरान स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया। 'रेल' नाम की एक परियोजना शुरू की। इस कारण आठवीं से लेकर 12वीं तक की परीक्षा में कोडरमा ज़िला हर परीक्षा में राज्य में अव्वल रहा। कोडरमा ज़िले में इनके द्वारा शुरू किये गए 'रेल' मॉडल को राज्य सरकार ने सभी ज़िलों में लागू करने का निर्णय लिया है।
  - **फादर अजीत खेस** - फादर अजीत खेस रोमन कैथोलिक चर्च की सोसाइटी ऑफ जीसस, राँची प्रोविस के प्रोविसियल सुपीरियर हैं। इससे पूर्व संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के प्रिंसिपल थे। सोसाइटी ऑफ जीसस द्वारा राँची में संत जेवियर्स स्कूल, एक्सआरएसएस, एक्सआइपीटी, संत जेवियर्स कॉलेज, संत जॉन स्कूल, प्रभात तारा स्कूल धुवा, सहित कई शिक्षण संस्थान चलाए जा रहे हैं।
  - **डॉ. विकास कुमार** - रमिस के न्यूरो सर्जरी विभाग में सेवा दे रहे डॉ. विकास कुमार युवा डॉक्टरों के लिये मसाल हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते और हमेशा गरीब मरीजों की सेवा के लिये तत्पर रहते हैं। वहीं, मेडिकल के क्षेत्र में हो रही नई-नई गतिविधियों से भी लोगों को

अवगत कराते रहते हैं।

- **रध्या तरिकी** - राँची की रध्या तरिकी जुलाई 2022 में फेमिना मसि इंडिया के टॉप फाइनेलसि्ट में जगह बनाने वाली देश की पहली आदविासी मॉडल हैं। प्रतियोगिता में उन्हें फेमिना मसि इंडिया झारखंड 2022 के खतिाब से नवाजा गया था। इसके बाद से रध्या लगातार आदविासी बहुल इलाके की युवतधियाँ, जो ग्लैमर वरल्ड को अपना सपना मानती हैं, को प्रशकिषण दे रही हैं।
- **अतुल गेरा** - सवैचछकि रकतदान के कषेत्तर में अतुल्य योगदान के लधिये अतुल गेरा प्रदेश में एक बड़ा नाम हैं। 'लाइफ सेवर्स' के संस्थापक अतुल रकतदान शविरि लगाते हैं तथा युवाओं को इससे जोड़ते हैं।
- **मोनकिा मुंडू** - प्लेबैक सगिर और अभनित्त्री मोनकिा मुंडू ने देश भर की 12 भाषाओं में गाना गया है। 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' फलिम में भी इन्होंने काम कधिया है। 'झारखंड कर छैला' इनकी पहली फलिम है।
- **बनिीता सोरेन** - सरायकेला की वनिीता सोरेन माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली आदविासी महलिा हैं। इन्होंने थार रेगसि्तान अभधियान के तहत गुजरात के भुज से पंजाब के बाघा बॉर्डर तक करीब दो हज़ार कर्मिी. की यात्त्रा भी की है।
- **सुखदेव उरांव** - कांके के पार चट्टू नविासी सुखदेव उरांव खेती में नए-गए प्रयोग के लधिये जाने जाते हैं।
- **सरोजनिी लकड़ा** - सपिाही से आईपीएस तक का सफर तय करने वाली सरोजनिी अर्तानिक्सल प्रभावति कषेत्तर लातेहार के गारू प्रखंड से हैं। जर्मनी से ओलंपकि स्टडी में एमए की डगिरी हासलि की। खेल की बदौलत आउट आफ टर्न प्रमोशन करते हुए वर्ष 1991 में उन्हें इंस्पेक्टर बना दधिया गया। वर्ष 2008 में वह डीएसपी बनीं और वर्ष 2023 में आईपीएस बनकर इतहिास रच दधिया।
- **नशिांत कुमार**- राँची के बूटी मोड़ में नशिांत कुमार ने स्टार्टअप 'कगि फशिरीज'का वर्ष 2018 में शुरुआत की। वर्तमान में एकवा कल्चर एशधिया का पहला सबसे बड़ा कॉमर्शधियल एकवा फार्म बन चुका है। नशिांत ने मतस्यपालन की पाँच पद्धतधियाँ वकिसति की हैं। इनमें पॉड कल्चर, आरएफएफ, पेन कल्चर, बायोफ्लॉक, आरएएस और जलाशय पद्धतधियाँ शामिल हैं।
- **रणेंद्र कुमार** - साहित्यकार रणेंद्र कुमार डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कलयाण अनुसंधान संस्थान के नरिदेशक हैं। उन्हें साहित्य के कषेत्तर में उल्लेखनीय योगादान के लधिये परेमचंद समूर्तासिम्मान, प्रथम वमिला देवी समूर्तासिम्मान समेत कई अन्य सम्मान मलि चुके हैं।
- **वजिय पाठक** - इंदरपुरी, राँची के वजिय पाठक ने सामाजकि सरोकार की दशिा में पहल करते हुए रोटी बैंक की स्थापना की है।
- **आयुष बथवाल और अनरिद्ध शरमा** - राँची के आयुष बथवाल और अनरिद्ध शरमा ने कोरोना के बाद थर्ड वेव कॉफी नाम से चेन शुरु कधिया। आज देश भर में 100 से अधकि प्रतषिठान खुल चुके हैं।
- **आदरश मानपुरधिया** - राँची के युवा आदरश मानपुरधिया होटल चेन फैंब होटल्स के संस्थापक हैं। फोर्ब्स मैगजिीन ने उनको एशधिया में 30 वर्ष से कम आयु के 30 सबसे सफल स्टार्टअप उदयमधियाँ की सूची में जगह दी थी।
- **पदमचंद जैन** - अपर बाज़ार के हॉर्डवेयर वयवसायी 79 वर्षीय पदमचंद जैन गरीबों की अंतयेष्टा का खर्च वहन करते हैं।
- **एमेलडा एक्का** - पुलसिकरमी एमेलडा एक्का ने 400 मीटर रलि में कई रकिॉर्ड बनाए। 2023 में इन्हें आईपीएस के पद पर पदोन्नत कधिया गया।